प्रा·डॉ·वाय्·बी·धुमाळ
एम्·ए· पीएच्·डी·
रीडर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
वेणुताई चव्हाण कॉलेज, कराड·
जि·सातारा (महाराष्ट्र)

प्र मा ण प त्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री·राजेंद्र पिलोबा भोसले ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्·फिल्·(हिन्दी) उपाधि के लिए "**कुसुम अन्सल के हिन्दी उपन्यासों का अनुशीलन**" शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह शोधार्थी की मौलिक कृति है। जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। प्रा·श्री·राजेंद्र पिलोबा भोसले के प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबन्ध कला-विद्या-शाखा (Faculty of Arts) के अन्तर्गत हिन्दी विषय से संबंधित उपन्यास साहित्य-विधा में सन्निविष्ट हैं।

कराड

दिनांक : 26·6·96

डॉ·वाय्·बी·धुमाळ
शोध-निर्देशक

प्र मा ण प त्र

हम संस्तुति करते हैं कि इस लघु-शोध-प्रबंध को परीक्षा हेतु अग्रेषित किया जाए।

प्राचार्य,
पुरुषोत्तम शेठ
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा

प्राचार्य,
लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज,
सातारा.

डॉ. गजानन सुर्वे
रीडर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय
सातारा.

सातारा
दिनांक : 25-6-1996

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६००४

प्र स्था प न

यह लघु-शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्·फिल्· के लघु-शोध-प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

सावळज

दिनांक : 26-6-1996

प्रा·राजेंद्र पिलोबा मोसले